बलिदान दिवस

भाजपा ने निकाली रैली, वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

ढोल-नगाड़ों की थाप और देशभक्ति के जयकारों से गूंजा अंचल

मंडला। वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के पावन अवसर पर भाजपा मंडल घुघरी द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर स्थानीय बस स्टैंड स्थित रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत में भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल-बाजे की थाप पर थिरकते हुए एक विशाल और उत्साहपूर्ण रैली निकाली।

देशभक्ति के जयकारों और ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच कार्यकर्ताओं की यह रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बस स्टैंड पहुँची, जहाँ उपस्थित जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, भाजपा एसटी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज मरकाम, जनपद अध्यक्ष जनिया बाई मरावी, जिला पंचायत सदस्य कौशल्या मरावी, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र धुर्वे, राजकुमार चौकसे, महामंत्री संजय साहू और रामकृष्ण धुर्वे सहित बड़ी संख्या में बूथ स्तर के कार्यकर्ता और मातृशक्ति उपस्थित रही। वरिष्ठ नेताओं ने रानी दुर्गावती के अदम्य साहस, वीरता और मातृभूमि के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन हम सभी के लिए हमेशा प्रेरणादायी रहेगा।

सरस्वती शिशु मंदिर बिछिया में मनाया बलिदान दिवस

भुआ बिछिया। स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, भुआ बिछिया में गोंडवाना साम्राज्य की अद्वितीय साहसी महारानी वीरांगना रानी दुर्गावती का बलिदान दिवस अत्यंत श्रद्धा, आदर और सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ अतिथियों द्वारा वीरांगना महारानी दुर्गावती एवं भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और पूजन-अर्चन के साथ हुआ।

इस अवसर पर विद्यालय की आचार्या श्रीमती अनुसुइया यादव ने रानी दुर्गावती की जीवनी और उनके ऐतिहासिक संघर्ष पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यालय के प्रबंधक राम बहोरी पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि रानी दुर्गावती ने मातृभूमि की रक्षा, नारी स्वाभिमान और स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनका अदम्य साहस, अद्भुत पराक्रम और राष्ट्रभक्ति आज भी देश के युवाओं के लिए महान प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने सभी शिक्षकों को समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प दिलाया। इस कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य आकाश चौरसिया सहित विद्यालय के समस्त आचार्य और दीदी जी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

साइबर अपराधों के प्रति लोगों को किया जागरूक

थाना टिकरिया से निकाली जागरूकता रैली

नारायणगंज। मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे 'सेफ क्लिक 2.0' साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत थाना टिकरिया द्वारा व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला स्तर से प्राप्त प्रचार-प्रसार वाहन एवं पुलिस टीम ने क्षेत्र में भ्रमण कर नागरिकों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम का नेतृत्व थाना प्रभारी प्रदीप पाण्डेय ने किया। उन्होंने आमजन को संबोधित करते हुए बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। फर्जी लिंक, ओटीपी साझा करने, बैंक खाते की जानकारी मांगने, सोशल मीडिया हैकिंग, ऑनलाइन लोन एवं निवेश के नाम पर धोखाधड़ी जैसे मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक को सतर्क एवं जागरूक रहने की आवश्यकता है।

ग्रामीणों को दी साइबर सुरक्षा की जानकारी-जागरूकता रैली के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाजार क्षेत्र, सार्वजनिक स्थलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। नागरिकों को समझाया गया कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ अपनी बैंकिंग जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड अथवा व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें तथा किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। थाना प्रभारी प्रदीप पाण्डेय ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार होता है तो वह तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क कर सकता है अथवा साइबर क्राइम पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकता है। समय पर शिकायत करने से ठगी गई राशि को वापस प्राप्त करने की संभावना बढ़ जाती है। पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा डिजिटल माध्यमों से होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोक लगाना है। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उमंग सिंघार का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

नारायणगंज। मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के मंडला जिले के घुघरी प्रवास के दौरान नारायणगंज आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने गमछा पहनाकर तथा पुष्पमालाओं से उनका अभिनंदन किया।

नारायणगंज बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर पहुंचकर उमंग सिंघार ने विधिवत पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन की मजबूती, क्षेत्रीय समस्याओं एवं जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में विकास कार्यों, जनता की समस्याओं तथा प्रदेश सरकार की नीतियों को लेकर अपने विचार रखे। उमंग सिंघार ने कार्यकर्ताओं की बातों को गंभीरता से सुनते हुए जनता के हितों की आवाज को मजबूती से उठाने और संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर चैनसिंह वरकड़े सहित नारायणगंज नगर एवं ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला तथा पूरे क्षेत्र में कांग्रेस संगठन की एकजुटता का संदेश गया।

सालों से अटका है मानदेय, नई भर्ती में भाई-भतीजावाद का डर

रोजगार पर लटकी तलवार, सुरक्षित भविष्य की मांग को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मंडला। सरकारी स्कूलों की रीढ़ माने जाने वाले अतिथि शिक्षकों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। नौकरी की असुरक्षा और प्रशासनिक उपेक्षा से त्रस्त मंडला अतिथि शिक्षक परिवार ने मुख्यमंत्री और कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर अपना दर्द बयां किया है। संगठन का आरोप है कि सरकार द्वारा किए गए वादे केवल कागजों तक सीमित हैं, जिससे प्रदेश के लाखों अतिथि शिक्षकों के सामने रोज़ी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

जिला अध्यक्ष पीडी खैरवार ने बताया कि जिले के कुछ

विकासखंडों में जुलाई 2025 का मानदेय अब तक अटका हुआ है। कई बार आवेदन देने के बाद भी भुगतान नहीं हुआ है, जिससे हर माह समय पर मानदेय देने की मांग प्रमुखता से उठाई गई है। इसके साथ ही संगठन ने इस शैक्षणिक सत्र (2026-27) की भर्ती प्रक्रिया में भाई-भतीजावाद हावी होने की आशंका जताई है। डर है कि अनुभवी और पात्र शिक्षकों को बाहर का रास्ता दिखाकर चहेतों को उपकृत किया जा सकता है, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

आश्वासन नहीं, अब सम्मान चाहिए

ज्ञापन में साफ कहा गया है कि वर्ष 2008 से नाममात्र के मानदेय पर सेवा दे रहे आधे से अधिक अतिथि शिक्षक सरकार की गलत नीतियों के कारण बाहर हो चुके हैं। संगठन ने दोटूक चेतावनी दी है कि यदि इस बार उनकी जायज मांगें नहीं मानी गईं, तो पूरे प्रदेश में उग्र और आर-पार का आंदोलन किया जाएगा, क्योंकि 18 साल की सेवा के बाद अब वे सम्मान और सुरक्षा के अधिकार से पीछे नहीं हटेंगे। इस दौरान जिला कार्यकारिणी के अनेक पदाधिकारी व शिक्षक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अतिथि शिक्षकों की प्रमुख मांगें-अतिथि शिक्षकों ने मांग की है कि पूर्व मुख्यमंत्री की घोषणा को लागू कर अधिकतम अनुभव के आधार पर रोजगार सुरक्षित किया जाए। अनुभव के आधार पर नौकरी पक्की हो और स्कोर कार्ड में अनुभव के अंक जोड़े जाएं। सत्र 2026-27 के लिए 1 जुलाई तक अनुभवी अतिथि शिक्षकों की तत्काल नियुक्ति की जाए। पुराने शिक्षकों को यथास्थान प्राथमिकता मिले, उन्हें बीच सत्र में न निकाला जाए। साथ ही, सीधी भर्ती व ट्रांसफर से बाहर हुए शिक्षकों का रिक्त पदों पर समायोजन हो।

वीरांगना रानी दुर्गावती के रज कलश का हुआ विधि-विधान से पूजन

मंडला। वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के पावन अवसर पर उनके जन्मस्थल कालिंजर जिला बांदा, उत्तर प्रदेश से मंडला लाया गया पवित्र रज कलश आकर्षण का केंद्र रहा। स्थानीय माहिष्मती घाट पर इस रज कलश का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया, जहाँ उपस्थित प्रबुद्धजनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और भारी संख्या में छात्र-छात्राओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर वीरांगना के शौर्य को नमन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संत रामदास जी महाराज सहस्त्रधारा एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. श्रीमती रेखा नायर रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत में जिला संयोजक प्रमोद शाह मरावी ने रानी दुर्गावती के बलिदान पर संक्षिप्त विचार रखे। इसके बाद विशिष्ट अतिथि डॉ. रेखा नायर ने वीरांगना के जीवन, त्याग और अदम्य साहस पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए उपस्थित युवाओं को उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने का संकल्प दिलाया। आयोजित कार्यक्रम में नीरज अग्रवाल द्वारा मंच संचालन और अतिथियों के परिचय के बाद सभी उपस्थित जनों ने माँ नर्मदा के तट पर विधिवत पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का समापन किया।

वन अधिकार कानून में प्रशासनिक उदासीनता के खिलाफ बिछिया में फूटा गुस्सा

360 आदिवासियों ने दी शांतिपूर्ण गिरफ्तारी, राज्यपाल के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

भुआ बिछिया। वन अधिकार कानून को लागू करने में जिला प्रशासन की कथित उदासीनता और ढुलमुल रवैये के खिलाफ मंडला जिले के सामाजिक संगठनों और जन संघर्ष मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में बिछिया में एक विशाल रैली और जनसभा का आयोजन किया गया।

बिछिया मैदान में आयोजित इस सभा के बाद नगर के प्रमुख मार्गों से एक आक्रोश रैली

निकाली गई। जब यह रैली बिछिया थाने पहुँची, तो अपनी मांगों के समर्थन में 360 आंदोलनकारियों ने शांतिपूर्ण ढंग से गिरफ्तारी दी और बाद में महामहिम राज्यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। इस आंदोलन में मवई और बिछिया विकासखंड के दर्जनों गाँवों से भारी संख्या में आदिवासी महिला-पुरुष शामिल हुए।

फाइलों में दबे हैं सामुदायिक और व्यक्तिगत वन अधिकार दावे

राज्यपाल को भेजे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि मंडला एक आदिवासी बाहुल्य जिला है। यहाँ के सैकड़ों गाँव जंगलों के बीच या उनके आसपास बसे हैं, जो वन पारिस्थितिकी प्रणाली को बचाने के अभिन्न अंग हैं। वन अधिकार कानून के तहत सामुदायिक वन संसाधनों के अधिकारों को लेकर भोपाल से कई बार निर्देश जारी हो चुके हैं और मुख्यमंत्री द्वारा गठित टास्क फोर्स की टीम भी क्षेत्र का भ्रमण कर चुकी है।

बताया गया कि मवई विकासखंड के वन ग्राम रहंगी, पखवार, सुनहरा, बहरमुंडा पोंड़ी, गैतरा, खमरिया, मोहगांव, बरगांव, कोलुम गहन और बिछिया के सानी मोवाला सहित 10 ग्राम सभाओं द्वारा उपखंड स्तरीय समिति में जमा किए गए दावों पर जिला प्रशासन का रवैया बेहद निराशाजनक और उपेक्षित रहा है। इसके साथ ही, जिले में हजारों की संख्या में व्यक्तिगत वन अधिकार दावे भी लंबे समय से लंबित पड़े हैं। वनांचल के हक की इस लड़ाई में क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, सम्पत सिंह धुर्वे, अमरू सिंह मरावी, दयाल सिंह चिचाम, इन्दरपाल पन्दरे, कवलू सिंह मुड़खिया, सुंदर मार्को, रुक्मिणी सुरेश्वर, रागिनी परते, चरण परते, विवेक पवार, जबलपुर के विनोद श्रीवास्तव और सामाजिक कार्यकर्ता समाधान पाटील सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन और ग्रामीण उपस्थित रहे। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही लंबित दावों का निराकरण नहीं किया गया।

सरहदों के पार पहुंची आदिवासी बाहुल्य के जामुन की मिठास

जंगलों और खेतों में मौजूद हैं जामुन की 20 दुर्लभ प्रजातियां

मंडला. मध्य प्रदेश का आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला इन दिनों बैंगनी रंग की अनूठी आभा और सौंधी मिठास से सराबोर है। यहाँ की जामुन का स्वाद न केवल मध्य प्रदेश के अन्य जिलों बल्कि पड़ोसी राज्यों में भी बेहद पसंद किया जा रहा है।

जानकारी अनुसार जामुन का यह मौसम केवल स्वाद प्रेमियों के लिए ही उत्सव जैसा नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए एक महा-वरदान की तरह है। आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार यह फल मधुमेह, खून की

कमी, पाचन तंत्र की जटिलताओं और यहाँ तक कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से लड़ने में भी मानव शरीर की सहायता करता है।

स्थानीय व्यापारियों और जानकारों के अनुसार जामुन का यह प्राकृतिक फल बाजार में जून माह की शुरुआत से दस्तक देता है और जुलाई के मध्य के बाद इसकी पैदावार स्वत: समाप्त हो जाती है। मंडला के जामुन की मिठास इतनी बेजोड़ है कि स्थानीय मांग पूरी होने के बाद इसे बड़े पैमाने पर दूसरे जिलों और राज्यों में भेजा जाता है। वर्तमान में खुदरा बाजार और हाईवे के किनारों पर यह जामुन 50 से 60 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बिक रहा है।

वनांचल की महिलाओं को मिला सशक्त रोजगार

मंडला जिले में जामुन के कारोबार पुरुषों की तुलना में महिलाओं द्वारा किया जाता है। इस सीजन में जामुन तोड़कर बेचने वाले ग्रामीण प्रतिदिन औसतन 300 रुपये से अधिक की शुद्ध आमदनी कर लेते हैं। वनस्पति विज्ञानियों के अनुसार पूरे देश में जामुन की लगभग 40 प्रजातियां पाई जाती हैं। जिसमें खाल्हेगिठौरी, झुरकी पौड़ी, सहजर बनिया, घुटास, मवई, बिछिया, घुघरी, मोहगांव और चाबी जैसे क्षेत्रों में जामुन के वृक्षों की भारी भरमार है।

आयुर्वेदिक चिकित्सा में गुठली का विशेष महत्व

स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि पूर्व में छोटी जामुन खरीदने पर नागपुर जैसी बड़ी मंडियों में घाटा उठाना पड़ा था, जिसके कारण अब व्यापारी इसे खरीदने से बचते हैं। हालांकि आयुर्वेदिक चिकित्सा के क्षेत्र में इस छोटी जामुन और इसकी गुठली का महत्व सबसे अधिक माना गया है। इसकी गुठली ब्लड शुगर को नियंत्रित करने वाली दवाओं के निर्माण में रामबाण सिद्ध होती है।

14 दिनों के सही इलाज और देखभाल से स्वस्थ हुई 6 माह की अति कुपोषित कीर्ति

सही स्तनपान और कंगारू मदर केयर से बढ़ा बच्ची का वजन

मंडला। जिला चिकित्सालय मंडला के पोषण पुनर्वास केंद्र से कुपोषण के खिलाफ जंग जीतकर छह माह की मासूम बच्ची पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने घर लौट आई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी. जे. मोहंती ने बताया कि नारायणगंज ब्लॉक के ग्राम छपारा निवासी संतोष और सुकमती उरेती की 6 वर्षीय बेटी कीर्ति उरेती को 23 मई 2026 को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से एनआरसी में भर्ती कराया गया था।

भर्ती के समय बच्ची का वजन मात्र 3.615 किलोग्राम और लंबाई 59 सेंटीमीटर थी, जिसके कारण

वह अति कुपोषण की श्रेणी में आ रही थी। डॉक्टरों द्वारा केस हिस्ट्री लेने पर पता चला कि कामकाजी महिला होने के कारण मां बच्ची को पर्याप्त और सही तरीके से स्तनपान नहीं करा पा रही थी। एनआरसी प्रभारी डॉ. कमलेश और स्टाफ की निगरानी में सबसे पहले मां की काउंसलिंग की गई और उसे स्तनपान कराने की सही विधि सिखाई गई। इसके साथ ही बच्ची को कंगारू मदर केयर के माध्यम से गर्म रखा गया और जरूरी चिकित्सा उपचार दिया गया।

नॉन-अटेंड सीएम हेल्पलाइन शिकायतों पर लगेगा जुर्माना : कलेक्टर

मंडला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने जिला योजना भवन में आयोजित समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में विभिन्न विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, जन कल्याण शिविर, रोजगार मेला, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री धोटे ने सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि नॉन-अटेंड शिकायतों के लिए

संबंधित जिला अधिकारियों पर नियमानुसार जुर्माना अधिरोपित किया जाए। उन्होंने कहा कि आगामी माह में कोई भी शिकायत नॉन-अटेंड श्रेणी में नहीं रहनी चाहिए। करंट मंथ के साथ-साथ 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का भी समानांतर रूप से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने 1000 दिवस से अधिक समय से लंबित सभी शिकायतों को 30 जून तक अनिवार्य रूप से निराकृत करने तथा निम्न गुणवत्ता में बंद किए गए प्रकरणों को पुन: ओपन कर संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन की मासिक रैंकिंग में ए-ग्रेड प्राप्त करने वाले विभागों को कलेक्टर ने बधाई देते हुए अन्य विभागों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर श्री धोटे ने निर्देश दिए कि सभी विभाग स्थापना संबंधी प्रकरणों को गंभीरता से लें तथा किसी भी कर्मचारी या अधिकारी के वेतन एवं अन्य स्वत्वों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए।

प्रेरणा

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच वैज्ञानिक खेती बनी सफलता की कुंजी

शून्य जुताई ने बदली ग्राम रामपुर के किसान लोचन भांवरे की तस्वीर

मंडला। मंडला जिले के आदिवासी बहुल ग्राम रामपुर के किसान लोचन भांवरे आज क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन चुके हैं। बदलते मौसम, अनियमित वर्षा और बढ़ती कृषि लागत जैसी चुनौतियों के बीच उन्होंने आधुनिक कृषि तकनीक को अपनाकर यह साबित कर दिया कि सही मार्गदर्शन और नवाचार से खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। कुछ वर्ष पहले तक श्री भांवरे पारंपरिक खेती पद्धति से खेती करते थे। धान की कटाई के बाद

गेहूँ की बुवाई के लिए बार-बार जुताई करनी पड़ती थी, जिससे समय, श्रम और धन तीनों की अधिक आवश्यकता होती थी। मौसम की अनिश्चितता के कारण उत्पादन भी अपेक्षित नहीं मिल पाता था। वर्ष 2024 में जलवायु अनुकूल कृषि परियोजना के तहत बीआईएसए एवं कृषि विभाग की टीम ने ग्राम रामपुर में किसानों को शून्य जुताई तकनीक और फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। वैज्ञानिकों के सुझाव और आत्मा परियोजना के अधिकारियों के मार्गदर्शन से प्रेरित होकर लोचन भांवरे ने अपने खेत में पहली बार शून्य जुताई तकनीक अपनाने का निर्णय लिया।

उन्होंने धान कटाई के बाद पराली को जलाने के बजाय खेत में ही संरक्षित रखा और हैप्पी सीडर मशीन की सहायता से सीधे गेहूँ की बुवाई की। इस तकनीक से खेत तैयार करने में लगने वाला समय कम हुआ, जुताई और मजदूरी का खर्च घटा तथा समय पर बुवाई संभव हो सकी। खेत में मौजूद फसल अवशेषों ने मिट्टी की नमी बनाए रखने, खरपतवार नियंत्रण और भूमि की उर्वरता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जब फसल कटाई का समय आया तो परिणाम उम्मीद से कहीं बेहतर थे। पहले जहाँ गेहूँ का उत्पादन 10 से 12 क्विंटल प्रति एकड़ मिलता था, वहीं शून्य जुताई तकनीक अपनाने के बाद उत्पादन बढ़कर 15 से 16 क्विंटल प्रति एकड़ तक पहुँच गया। अर्थात उत्पादन में लगभग 30 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई। धान और मूंग की फसलों में भी 10 से 15 प्रतिशत तक उत्पादन बढ़ा। इस तकनीक ने केवल आर्थिक लाभ ही नहीं दिया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। पराली जलाने की आवश्यकता समाप्त होने से वायु प्रदूषण कम हुआ, मिट्टी के लाभकारी सूक्ष्मजीव सुरक्षित रहे तथा खेत की जलधारण क्षमता में सुधार हुआ।